





रकोमात्रि॥रि ८ ॥ गुरुश्रय
जसदय विजयविद्धि
यूगनवनेशां ॥ कार्यसिद्धि
श्रय ॥ १ ॥ ० ॥



रगदसु॥ रिठ॥ कूकार्यपर
नसानं विष्णुमद् वाजरु
य॥ खयारुयमद् मनरा
त्रपाकोर्गसिद्धश्य॥ ३ ॥



१२ रुकि॥ मरु ८०॥ महारुय
 धननास॥ यानाका ऊँ वि
 घ्न रुय॥ गुरु डी लायमा
 नी डी॥ ४॥ ० ॥



रक्तं ॥ लिङ्ग ध्वननारुद
यू. गुरुदयू. विजयतिद्धि
इयू. वागमदयु॥ जं ॥





ॐ धर्मगद्ग्य तत्तेरा कार्ज
रासं कता एते सर्वज्ञ
भएवैव रात्रां वैवदस
णी ॥ २८ ॥



रदाहिणीवर्कसंषलीद
॥या दाकार्जसिद्धीजुयुसु
मंगरजुयुधरा रामदयु
कृतेवृद्धीमाणाजुयु॥
॥ ॥ ॥

रश्निरामय नुविरचित
सकंधति संपुर्ण समाप्त
॥ ॐ ॥ सप्तपत्तिनंवाया

आशा शरदाधि

ॐ /

ASHA ARCHIVES

आशा शरदाधि

ॐ /

ASHA ARCHIVES

आशा बरुवाधि

६९१

ASHA ARCHIVES